भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1986

08.08.2024 को उत्तर के लिए

एनसीएपी के अंतर्गत निधियों का उपयोग

1986. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आवंटित निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि एनसीएपी के अंतर्गत अधिकांश निधियों का उपयोग धूल को नियंत्रित करने के लिए किया जा रहा है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार एनसीएपी के अंतर्गत अन्य घटकों को किस प्रकार वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार रखती है; और

(घ) क्या सरकार एनसीएपी के अंतर्गत अन्य घटकों के समाधान हेतु आवंटन में संशोधन करने और उसमें वृद्धि करने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ): वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत 686.53 करोड़ की राशि आवंटित की गई है, जिसमें से 3 उप-घटकों नामतः शहर विशिष्ट वित्तपोषण, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यकलाप और सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम तथा प्रशासनिक व्यय के लिए धनराशि प्रदान की गई है। शहर विशिष्ट वित्तपोषण के अलावा अन्य घटकों जैसे स्वच्छ वायु दिवस, स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत शहरों की रैंकिंग, क्षमता निर्माण और आउटरीच कार्यक्रम, परियोजना प्रबंधन इकाइयों से संबंधित व्यय और राज्य स्तरीय आउटरीच कार्यक्रमों जैसे कार्यकलापों के आयोजन के लिए धनराशि प्रदान की जाती है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एनसीएपी के विभिन्न घटकों के तहत आवंटित धनराशि का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

सड़कों की धूल, वाहन उत्सर्जन, बायोमास दहन और अपशिष्ट प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण जैसे विभिन्न वायु गुणवत्ता सुधार संबंधी उपाय करने के लिए शहरी कार्य योजनाएं, केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं के लिए जारी धनराशि मिलाकर संसाधन जुटाने के साथ-साथ यूएलबी और अन्य विकास प्राधिकरणों के अपने संसाधनों के माध्यम से भी कार्यान्वित की जाती हैं। एनसीएपी के तहत प्रदान की गई धनराशि का उपयोग शहरी कार्य योजना के हिस्से के रूप में कार्यकलापों को क्रियान्वित करने के लिए धन के बड़े अंतर को पूरा करने के लिए किया जाता है।

एनसीएपी के तहत लक्षित शहरों द्वारा उपयोग की गई लगभग 66% धनराशि धूल शमन उपायों, जैसे- सड़कों के किनारे शुरु से अंत तक फुटपाथ बनाने और उनकी मरम्मत करने, निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना, यातायात जंक्शन में सुधार, सड़कों की यांत्रिक सफाई और जल छिड़काव के उपाय पर व्यय की गई है। अब तक किए गए स्रोत संविभाजन संबंधी अध्ययनों से पता चलता है कि सड़कों, निर्माण और विध्वंस संबंधी कार्यकलापों से उत्पन्न धूल शहरों में पीएम$_{10}$ के स्तर में अधिकतम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। तदनुसार, शहरों ने प्रदूषण के स्रोतों और शहरों में अभिज्ञात अत्यधिक प्रदूषण वाले स्थलों के आधार पर अपने कार्यों को प्राथमिकता दी है।

******

अनुबंध-I

वर्ष 2023-24 दौरान राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के विभिन्न घटकों के तहत आवंटित धनराशि का ब्यौरा

(करोड़ रुपये में)

घटक		**जारी की गई राशि**
राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी)	शहर विशिष्ट वित्तपोषण	667.14
	प्रशासनिक व्यय	5.35
	राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यकलाप	14.04
कुल		**686.53**